GURU PURNIMA 2023

VCAS, BIJNOR

गुरु शब्द अनुभव जन्य है न कि ज्ञान पर आधारित: संदीप अग्रवाल

● जनवाणी संवाददाता, बिजनौर

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर विवेक कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज एण्ड हॉस्पिटल में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल ने कहा कि गुरू शब्द अनुभव जन्य है ना कि ज्ञान पर आधारित है और आयुर्वेद में गुरू शब्द की गरिमा चिकित्सक के क्षेत्र में सत्वावजय के माध्यम से बतायी गयी है। इसलिए आयुर्वेद चिकित्सक रोगी को शारीरिक दृष्टि से न देखकर आत्मगत दृष्टि से देखता है। प्रोफेसर देवाशीष पाणिग्राही ने बताया कि गुरू की बातों में गुरूत्व तथा अनुभव होता है जिसके आधार पर शिष्य आसमान की ऊचांईयों को भी आसानी से छू लेता है। प्रोफेसर मल्लिकार्जुन ने छात्रों को संदेश देते हुए बताया कि देवव्यपाश्रय चिकित्सा से औषधि के बल में वृद्धि होती है और रोगियों का हित होता है। विद्यार्थियों ने सभी गुरूजनों को सम्मान सहित उपहार प्रदान किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज के चैयरमेन अमित गोयल तथा प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल तथा उप प्राचार्य प्रोफेसर देवाशीष पाणिग्राही द्वारा भगवान धन्वन्तरी तथा माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन करके किया गया। मंच का संचालन डा. सन्तोष गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर वक्ता के रूप में प्राचार्य, प्रोफेसर, तथा विद्यार्थीयों ने अपने विचार तथा गुरु के प्रति सम्मान प्रकट किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. शम्भू, व डा. राजीव एवं सभी शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

विवेक कॉलेज में गोष्ठी का दीप जलाकर शुभारंभ करते अतिथिगण। संवाद

गुरु पूर्णिमा पर हुआ गोष्ठी का आयोजन

बिनजौर। विवेक कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज एंड हॉस्पिटल में गुरु पूर्णिमा पर एक गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी में प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल ने कहा कि गुरु शब्द अनुभव जन्य है। आयुर्वेद चिकित्सक रोगी को शारीरिक दृष्टि से न देखकर आत्मगत दृष्टि से देखता है। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के चेयरमैन अमित गोयल, प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल, उप प्राचार्य प्रोफेसर देवाशीष पाणिग्राही ने भगवान धनवंतरी और मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर प्रोफेसर मल्लिकार्जुन, डॉ. संतोष गुप्ता, डॉ. शम्भू, डॉ. राजीव आदि मौजूद रहे। संवाद

प्रजापात, राजा, भूर पाल, मानू, विक्रात आाद प्रताप सिह उफ हना, विजय पाल सिह पिलाया और पुण्य कमाया।

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर विवेक कालेज में गोष्ठी का आयोजन

बिजनौर (बि.टा.)। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर विवेक कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज एण्ड हॉस्पिटल में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल ने कहा कि गुरू शब्द अनुभव-जन्य है ना कि ज्ञान पर आधारित है और आयुर्वेद में गुरू शब्द की गरिमा चिकित्सा के क्षेत्र में सत्वावजय के माध्यम से बतायी गयी है। इसलिए आयुर्वेद चिकित्सक रोगी को शारीरिक दृष्टि से न देखकर आत्मगत दृष्टि से देखता है। प्रोफेसर देवाशीष पाणिग्राही ने बताया कि गुरू की बातों में गुरूत्व तथा अनुभव होता है जिसके आधार पर शिष्य आसमान की ऊचांईयों को भी आसानी से छू लेता है। प्रोफेसर मल्लिकार्जुन ने छात्रों को संदेश देते हुए बताया कि देवव्यपाश्रय चिकित्सा से औषधि के बल में वृद्धि होती है और रोगियों का हित होता है विद्यार्थियों ने सभी गुरूजनों को उपहार प्रदान किये।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज के चैयरमेन अमित गोयल तथा प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल तथा उप प्राचार्य प्रोफेसर देवाशीष पाणिग्राही द्वारा भगवान धन्वन्तरी तथा माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन करके किया गया। मंच का संचालन डा. सन्तोष गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर वक्ता के रूप में प्राचार्य, प्रोफेसर तथा विद्यार्थीयों ने अपने विचार तथा गुरु के प्रति सम्मान प्रकट किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. शम्भू, व डा. राजीव एवं सभी शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

गुरू पूर्णिमा